• योग...

लक्ष्मी पूजन में शामिल करें ये चीजें...

दिवाली को अब कुछ समय ही बाकी हैं। पूरे देश में दिवाली का त्योहार बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस साल दिवाली 14 नवंबर (शनिवार) को है। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक, 11 नवंबर से 14 नवंबर तक सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। ऐसे में धनतेरस और दिवाली के बीच बन रहे सर्वार्थ सिद्धि योग में खरीदारी करना शुभ होगा। दिवाली के दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। इस दिन मां लक्ष्मी के सामने कुछ चीजों को रखना शुभ होता है। कहते हैं कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर कृपा बरसाती हैं।

▶ **सफेद फूल :** दिवाली पूजन में मां लक्ष्मी की पूजा करने के लिए थाली में सफेद फूल जरूर रखें। कहते हैं कि दिवाली के दिन मां लक्ष्मी पूजन के दौरान

मोगरा या सफेद पुष्प अर्पित करने से मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है।

▶ **कमल का फूल :** मां लक्ष्मी को कमल का फूल अति प्रिय है। मान्यता है कि उनकी पूजा के दौरान कमल का पुष्प अर्पित करना शुभ होता है। अगर बाजार में कमल का फूल नहीं मिल रहा है तो बाजार से कमल गट्टे खरीद कर अर्पित कर सकते हैं।

▶ **कौड़ियां :** दिवाली की रात को मां लक्ष्मी की पूजा में सफेद या पीले रंग की कौड़ियां जरूर अर्पित करनी चाहिए। मां लक्ष्मी को सफेद कौड़ी अति प्रिय हैं। कहते हैं कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी धन-धान्य के साथ समृद्धि भी देती हैं। मान्यता है कि रात में पूजा के दौरान कौड़ियां रखिए और सुबह नहा धोकर उन कौड़ियों को तिजोरी में रखना शुभ होता है।

▶ **बताशे :** दिवाली के दिन मां लक्ष्मी को बताशे अर्पित करने का विशेष महत्व है। पूजा के दौरान बताशे, खील और सफेद रंग की मिठाई रखना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी अपनी कृपा बरसाती हैं।

• खास दिन...

भाई दूज...

भाई दूज का त्योहार गोवर्धन पूजा के अगले दिन मनाया जाता है। भाईदूज का पर्व कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस साल भाई दूज का त्योहार 16 नवंबर 2020 को मनाया जाएगा और इसी पर्व के साथ पंच दिवसीय दीपोत्सव का समापन भी हो जाता है। रक्षाबंधन की तरह ही यह त्योहार भी भाई-बहन के लिए बेहद खास होता है। ये दिन भाई बहन के लिए स्पेशल होता है क्योंकि इस दिन बहनें अपने भाइयों को अपने घर भोजन के लिए बुलाती हैं और उन्हें प्यार से खाना खिलाती हैं।

भाई दूज मनाने की विधि

▶▶ भाई दूज वाले दिन आसन पर चावल के घोल से चौक बनाएं। इस चौक पर भाई को बिठाकर बहन अपने के हाथों पर चावलों का घोल लगाएं। उसके ऊपर सिंदूर लगाकर फूल, पान, सुपारी तथा मुद्रा रखकर धीरे-धीरे हाथों पर पानी छोड़ते हुए यह बोलें - गंगा पूजा यमुना को यमी पूजे यमराज को, सुभद्रा पूजे कृष्ण कोस गंगा यमुना नीर बहे मेरे भाई आप बढ़ें फूले फलें। अब बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाकर कलावा बांधें। भाई को मिठाई, मिश्री माखन खिलाए।

▶▶ भाई की लंबी उम्र की कामना करें। इसके उपरांत यमराज के नाम का चौमुखा दीपक जलाकर घर की दहलीज के बाहर रखें। यह उपाय करने से आपके भाई के जीवन की विघ्न-बाधाएं दूर हो जाएंगी।

भाई दूज पर तिलक का शुभ मुहूर्त

भाई दूज पर तिलक का समय- दोपहर 01:10 बजे से दोपहर 03:18 बजे तक

अवधि- 2 घंटा 8 मिनट

द्वितीया तिथि प्रारंभ-16 नवंबर 2020 को सुबह 07:06 बजे से

द्वितीया तिथि समाप्त- 17 नवंबर 2020 को तड़के 03:56 बजे तक।

क्यों मनाया जाता है भैया दूज: कहते हैं कि यमराज को उनकी बहन यमुना ने कई बार मिलने के लिए बुलाया, लेकिन यम नहीं जा पाए। जब वो एक दिन अपनी बहन से मिलने पहुंचे तो उनकी बहन बेहद खुश हुई और उन्होंने यमराज को बड़े ही प्यार व आदर से भोजन कराया और तिलक लगाकर उनकी खुशहाली की कामना की। खुश होकर यमराज ने बहन यमुना से वरदान मांगने को कहा। तब यमुना ने मांगा कि इस तरह ही आप हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया मेरे घर आया करो। वहीं इस दिन जो भी भाई अपनी बहन के घर जाएगा और उनके घर में भोजन करेगा व बहन से तिलक करवाएगा तो उसे यम व अकाल मृत्यु का भय नहीं होगा।

SHREE BALAJI HOSPITAL & COLLEGE OF NURSING
सर्वे संतु निरामयाः
SHREE BALAJI HOSPITAL
Affiliated to HPU, HP Nurses Registration Council & Indian Nursing Council
Only College in Himachal Pradesh Having Its Own Hospital
Admission Open For B.Sc & GNM Nursing For Session 2020-21
COURSES:
✓B.Sc Nursing
Duration - 4 Years
Eligiblity - 12th Medical
✓GNM Nursing
Duration - 3 Years
Eligiblity - 12th Any Stream
LIMITED SEATS LEFT
THOSE WHO ARE INTERESTED MAY CALL AT:
8219033032
7650831307
Near Kangra Bus Stand,
Balaji Vihar, Adarsh Colony,
Kangra (H.P.) - 176001

• ये है...

दिवाली की पूजन सामग्री...

दीपों का त्योहार दिवाली कार्तिक मास की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। इस साल दिवाली 14 नवंबर को पड़ रही है। दिवाली पर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। मान्यता है कि दीपावली पर मां लक्ष्मी और श्री गणेश पूजन से शांति, तरक्की और समृद्धि का वरदान प्राप्त होता है। दिवाली पर हर व्यक्ति माता लक्ष्मी और भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए पूरे विधि-विधान से पूजा करना चाहता है। इनकी पूजा में कोई कमी न रह जाए इसके लिए पहले से दीपावली पूजन सामग्री का इंतजाम कर लें।

मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा, रोली, कुमकुम, अक्षत (चावल), पान, सुपारी, नारियल, लौंग, इलायची, धूप, कपूर, अगरबत्तियां, मिट्टी, दीपक, रूई, कलावा, शहद, दही, गंगाजल, गुड़, धनिया, फल, फूल, जौ, गेहूं, दूर्वा, चंदन, सिंदूर, पंचामृत, दूध, मेवे, खील, बताशे, जनेऊ, श्वेस वस्त्र, इत्र, चौकी, कलश, कमल गट्टे की माला, शंख, आसन, थाली. चांदी का सिक्का, चंदन, बैठने के लिए आसन, हवन कुंड, हवन सामग्री, आम के पत्ते प्रसाद।

• सुरक्षित रहें...

अपने बच्चे की सुरक्षा के बारे में पहले सोचे और कोई भी योजना उसके बाद बनाएं। त्योहार के दौरान बच्चों को संभालने और उनकी सुरक्षा के लिए दोनों अभिभावकों को समान जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस तरह किसी भी समय बच्चे पर किसी ना किसी की नजर रहेगी ही। इस तरह काम करने पर त्योहार तनाव नहीं देते हैं उल्टे तनाव कम करने का काम करते हैं और आपकी व्यस्त तथा नीरस दिनचर्या से कुछ अलग करने का मौका मिलता है। इस साल सुरक्षित और भरपूर दिवाली मनाएं।